



# सरकारी गजट, उत्तराखण्ड

उत्तराखण्ड सरकार द्वारा प्रकाशित

## रुड़की

खण्ड-18] रुड़की, शनिवार, दिनांक 05 अगस्त, 2017 ई0 (श्रावण 14, 1939 शक सम्वत्) [संख्या-31

### विषय-सूची

प्रत्येक भाग के पृष्ठ अलग-अलग दिये गए हैं, जिससे उनके अलग-अलग खण्ड बन सकें

विषय	पृष्ठ संख्या	वार्षिक चन्दा
		रु0
सम्पूर्ण गजट का मूल्य ... ..	—	3075
भाग 1—विज्ञप्ति—अवकाश, नियुक्ति, स्थान-नियुक्ति, स्थानान्तरण, अधिकार और दूसरे वैयक्तिक नोटिस ...	575—580	1500
भाग 1—क—नियम, कार्य-विधियां, आज्ञाएं, विज्ञप्तियां इत्यादि जिनको उत्तराखण्ड के राज्यपाल महोदय, विभिन्न विभागों के अध्यक्ष तथा राजस्व परिषद् ने जारी किया ...	399—405	1500
भाग 2—आज्ञाएं, विज्ञप्तियां, नियम और नियम विधान, जिनको केन्द्रीय सरकार और अन्य राज्यों की सरकारों ने जारी किया, हाई कोर्ट की विज्ञप्तियां, भारत सरकार के गजट और दूसरे राज्यों के गजटों के उद्धरण ...	—	975
भाग 3—स्वायत्त शासन विभाग का क्रोड़-पत्र, नगर प्रशासन, नोटीफाइड एरिया, टाउन एरिया एवं निर्वाचन (स्थानीय निकाय) तथा पंचायतीराज आदि के निदेश जिन्हें विभिन्न आयुक्तों अथवा जिलाधिकारियों ने जारी किया ...	47—51	975
भाग 4—निदेशक, शिक्षा विभाग, उत्तराखण्ड ...	—	975
भाग 5—एकाउन्टेन्ट जनरल, उत्तराखण्ड ...	—	975
भाग 6—बिल, जो भारतीय संसद में प्रस्तुत किए गए या प्रस्तुत किए जाने से पहले प्रकाशित किए गए तथा सिलेक्ट कमेटियों की रिपोर्ट ...	—	975
भाग 7—इलेक्शन कमीशन ऑफ इण्डिया की अनुविहित तथा अन्य निर्वाचन सम्बन्धी विज्ञप्तियां ...	—	975
भाग 8—सूचना एवं अन्य वैयक्तिक विज्ञापन आदि ...	—	975
स्टोर्स पर्चेज—स्टोर्स पर्चेज विभाग का क्रोड़-पत्र आदि ...	—	1425

## भाग 1

विज्ञप्ति—अवकाश, नियुक्ति, स्थान—नियुक्ति, स्थानान्तरण, अधिकार और दूसरे वैयक्तिक नोटिस

## शिक्षा अनुभाग—6 (उच्च शिक्षा)

## अधिसूचना

27 जून, 2017 ई0

संख्या 522/XXIV(6)/2017-03(14)/2016 T.C.-I—श्री राज्यपाल महोदय, श्री गुरु राम राय विश्वविद्यालय अधिनियम, 2016 (उत्तराखण्ड अधिनियम संख्या 03, वर्ष 2017) की धारा—1 की उपधारा—2 द्वारा शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम को प्रवृत्त करने की एतद्वारा दिनांक 27 जून, 2017 की तारीख नियत करते हैं।

आज्ञा से,

डॉ० रणवीर सिंह,

अपर मुख्य सचिव।

## उत्तराखण्ड सड़क परिवहन दुर्घटना राहत निधि

## विज्ञप्ति

10 जुलाई, 2017 ई0

संख्या 4559/टी0आर0/उ0स0प0दु0रा0नि0/उपविधि/2017—उत्तराखण्ड मोटरयान कराधान सुधार अधिनियम, 2003 (उत्तराखण्ड अधिनियम संख्या—12, वर्ष 2003) की धारा 8 के अधीन बनायी गयी उत्तराखण्ड सड़क परिवहन दुर्घटना राहत निधि नियमावली, 2008 के नियम 12 के अधीन प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए, निधि की कार्यकारिणी द्वारा अपने कारबार का संचालन करने हेतु बनायी गयी निम्नलिखित उपविधि का श्री राज्यपाल महोदय, सहर्ष अनुमोदन प्रदान करते हैं:-

उत्तराखण्ड सड़क परिवहन दुर्घटना राहत निधि उपविधि, 2017

## 1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ—

- (1) यह उपविधि उत्तराखण्ड सड़क परिवहन दुर्घटना राहत निधि, उपविधि, 2017 है।
- (2) यह सरकारी गजट में प्रकाशन के दिनांक से प्रवृत्त होगी।

## 2. परिभाषाएँ—

जब तक विषय या संदर्भ में कोई प्रतिकूल बात न हो, इस उपविधि में:-

- (1) "कार्यकारिणी" से उत्तराखण्ड सड़क परिवहन दुर्घटना राहत निधि नियमावली, 2008 के नियम 5 के उपनियम (2) के अधीन गठित कार्यकारिणी अभिप्रेत है;
- (2) "छमाही" से छः कैलेण्डर मास की ऐसी अवधि से है, जो जून या दिसम्बर के अन्तिम दिन को समाप्त होती है, अभिप्रेत है;
- (3) "राज्य" से उत्तराखण्ड राज्य अभिप्रेत है;
- (4) "सहायक लेखाधिकारी" से इस पद पर परिवहन आयुक्त कार्यालय में तैनात उत्तराखण्ड वित्त सेवा के अधिकारी अभिप्रेत है;

इस उपविधि में प्रयुक्त अपरिभाषित शब्दों और पदों के वही अर्थ होंगे, जो उनके लिए उत्तराखण्ड मोटरयान कराधान सुधार अधिनियम, 2003 या उत्तराखण्ड मोटरयान कराधान सुधार नियमावली, 2003 या उत्तराखण्ड सड़क परिवहन दुर्घटना राहत निधि नियमावली, 2008 में दिये गये हैं।

## 3. कार्यकारिणी की बैठक, एजेण्डा और कार्यवृत्त—

- (1) कार्यकारिणी की बैठक प्रत्येक छमाही में न्यूनतम एक बार होगी।
- (2) सदस्य सचिव, अध्यक्ष के अनुमोदन से किसी बैठक में विचार करने के लिए कार्यसूची (एजेण्डा) के मदों को तैयार करेगा और कार्यसूची के प्रत्येक मद की विस्तृत टिप्पणी (नोट) तैयार करेगा।
- (3) कार्यकारिणी की बैठक हेतु नियत दिनांक से न्यूनतम तीन दिन पूर्व सदस्य सचिव द्वारा कार्यसूची की प्रति कार्यकारिणी के प्रत्येक सदस्य को उपलब्ध करा दी जायेगी।
- (4) समस्त मामलों का विनिश्चय नियमित बैठक में उपस्थित सदस्यों, जिसमें अध्यक्ष भी सम्मिलित है, के बहुमत के आधार पर किया जायेगा।
- (5) सदस्य सचिव बैठक में लिये गये विनिश्चयों को अभिलिखित करेगा और अध्यक्ष के हस्ताक्षर प्राप्त करेगा और उसकी जिल्दबन्द कार्य पुस्तिका रखेगा।

## 4. परिवहन आयुक्त कार्यालय स्तर पर रखे जाने वाले अभिलेख—

- (1) निधि के बचत बैंक खाते की पासबुक, चैकबुक, निर्गत चैक से सम्बन्धित अभिलेखों का रख-रखाव परिवहन आयुक्त कार्यालय में निधि के रख-रखाव से सम्बन्धित अनुभाग प्रभारी द्वारा किया जायेगा। उनके द्वारा निधि के लेन-देन की प्रविष्टियाँ कर, अगले दिन सदस्य सचिव को अवलोकित करायी जायेगी।
- (2) परिवहन आयुक्त कार्यालय में एक कोषबही रखी जायेगी, जिसमें निधि में प्राप्त और उससे जिलाधिकारियों को आवंटित धनराशि का विवरण अंकित किया जायेगा।
- (3) किसी जनपद के जिलाधिकारी से माँग प्राप्त होने पर निधि से उनको आवंटित धनराशि का चैक, सदस्य सचिव और सहायक लेखाधिकारी के संयुक्त हस्ताक्षरों से जारी किया जायेगा।
- (4) राज्य में सार्वजनिक सेवा यानों की दुर्घटनाओं का विवरण रखने एवं तत्सम्बन्धी सूचनाएँ बनाने के लिए परिवहन आयुक्त कार्यालय स्तर पर एक सॉफ्टवेयर तैयार किया जायेगा और उसे अद्यतन रखा जायेगा।

## 5. मजिस्ट्रीयल जाँच आख्या में दिये गये सुझावों पर कार्यवाही—

किसी सार्वजनिक सेवायान की दुर्घटना की उपखण्ड मजिस्ट्रेट से अनिम्न श्रेणी के अधिकारी द्वारा की गयी मजिस्ट्रीयल जाँच आख्या में दुर्घटना घटित होने के लिए बताये गये कारणों पर इस प्रकार की कार्यवाही सुनिश्चित की जायेगी, जिससे भविष्य में ऐसी दुर्घटनाओं को रोका जा सके। इसके लिए परिवहन आयुक्त कार्यालय स्तर पर निम्नलिखित पंजिकाएँ रखी जायेगी—

(एक) जाँच में दोषी पाये गये वाहन चालकों की चालन अनुज्ञप्ति पर कार्यवाही का रजिस्टर,

(दो) जाँच के आधार पर सम्बन्धित वाहन के परमिट के विरुद्ध कार्यवाही का रजिस्टर,

(तीन) खराब सड़कों को ठीक करने के लिए सड़क निर्माण सम्बन्धी संस्था से अपेक्षित कार्यवाही का रजिस्टर।

उक्त विषयक कार्यवाही का अद्यतन विवरण कार्यकारिणी की बैठक में विचारार्थ प्रस्तुत किया जायेगा।

## 6. जिलाधिकारी कार्यालय स्तर पर रखे जाने वाले अभिलेख—

- (1) प्रत्येक जिलाधिकारी कार्यालय में निधि की एक कोषबही रखी जायेगी, जिसमें परिवहन आयुक्त कार्यालय द्वारा आवंटित धनराशि एवं सार्वजनिक सेवायान की दुर्घटना में मृत व्यक्ति के आश्रितों एवं घायलों को वितरित राहत राशि का विवरण रखा जायेगा।
- (2) प्रत्येक जिलाधिकारी स्तर पर खाते की पासबुक एवं चैकबुक रजिस्टर को अद्यतन रखा जायेगा।

- (3) प्रत्येक जिलाधिकारी कार्यालय में सार्वजनिक सेवायान की दुर्घटना में मृत व्यक्तियों के आश्रितों एवं घायलों को स्वीकृत एवं वितरित राहत राशि का विवरण निम्नलिखित प्रारूप में अनुरक्षित पंजिका में रखा जायेगा:-

क्र० सं०	दुर्घटनाग्रस्त वाहन की संख्या	प्रकार	दुर्घटना का दिनांक	स्थान	मृतकों के नाम	मृतक आश्रितों को वितरित धनराशि का विवरण (चेक सं० व दिनांक)	गम्भीर घायलों के नाम	वितरित धनराशि का विवरण (चेक सं० व दिनांक)	साधारण घायलों के नाम	वितरित धनराशि का विवरण (चेक सं० व दिनांक)	अभ्युक्ति
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12

- (4) प्रत्येक जिलाधिकारी कार्यालय में दुर्घटनाग्रस्त सार्वजनिक सेवायानों एवं प्रभावित व्यक्तियों को वितरित राहत राशि का विवरण निम्नलिखित प्रारूप में अनुरक्षित पंजिका में रखा जायेगा:-

क्र० सं०	दुर्घटना का दिनांक	स्थान	वाहन की संख्या	प्रकार	परमिट संख्या एवं वैधता	मजि० जाँच गठित करने का दिनांक	मजि० जाँच आख्या में प्राप्त करने का दिनांक	दुर्घटना में			देय राहत राशि	वितरित धनराशि	पावती रसीद को परिवहन आयुक्त को प्रेषित करने का दिनांक
								मृतकों की संख्या	गम्भीर घायलों की संख्या	साधारण घायलों की संख्या			
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14

#### 7. जिलाधिकारी द्वारा सूचनाओं का प्रेषण-

- (1) जिलाधिकारी द्वारा प्रतिमाह जनपद में घटित सार्वजनिक सेवायानों की दुर्घटनाओं की मजिस्ट्रीयल जाँच एवं उसमें प्रभावित व्यक्तियों को वितरित राहत राशि की समीक्षा की जायेगी एवं उसकी आख्या परिवहन आयुक्त को प्रेषित की जायेगी।
- (2) जिलाधिकारी के द्वारा दुर्घटनाओं के सम्बन्ध में परिवहन आयुक्त को मजिस्ट्रीयल जाँच आख्या प्रेषित करते समय आख्या की एक प्रति सम्भागीय/उपसम्भागीय परिवहन कार्यालय को भी पृष्ठांकित की जायेगी।

#### 8. दुर्घटना प्रभावित व्यक्तियों को राहत राशि स्वीकृत करना-

- (1) जिलाधिकारी द्वारा दुर्घटना में प्रभावित व्यक्तियों को राहत राशि स्वीकृत एवं वितरित करने के लिए सम्बन्धित जनपद के सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी से इस आशय की सूचना प्राप्त कर ली जायेगी कि दुर्घटनाग्रस्त वाहन सार्वजनिक सेवायान है।
- (2) दुर्घटनाग्रस्त वाहन के सार्वजनिक सेवायान होने पर राहत के लिए विहित हकदारों को जिलाधिकारी द्वारा निधि में दी गयी अनुसूची के अनुसार राहत राशि स्वीकृत कर चेक के माध्यम से वितरित की जायेगी तथा वितरित धनराशि की प्राप्ति रसीदें अभिलेखार्थ सुरक्षित रखी जायेंगी।
- (3) जिलाधिकारी द्वारा सार्वजनिक सेवायान की मजिस्ट्रीयल जाँच आख्या परिवहन आयुक्त को प्रेषित की जायेगी तथा उसकी एक प्रति सम्भागीय/उप सम्भागीय परिवहन कार्यालय को भी पृष्ठांकित की जायेंगी।

## 9. जिलाधिकारी द्वारा दुर्घटना राहत निधि की माँग करना—

प्रत्येक जिलाधिकारी के निवर्तन पर निधि के नियम 8 के उपनियम (3) के अन्तर्गत 25 लाख रुपये की धनराशि राहत राशि वितरण के लिए रखे जाने की व्यवस्था है। इस धनराशि के 25 लाख से कम होने पर नियम 8 के उपनियम (8) के अन्तर्गत जिलाधिकारी की माँग पर परिवहन आयुक्त द्वारा ऐसी धनराशि आवंटित की जायेगी कि जिलाधिकारी के बचत खाते में न्यूनतम 25 लाख रुपये की धनराशि बनी रहे। जिलाधिकारी द्वारा अतिरिक्त धनराशि की माँग करते समय परिवहन आयुक्त को निम्नलिखित प्रारूप पर सूचना उपलब्ध करायी जायेगी:—

क्रमांक	जिले का नाम	वित्तीय वर्ष	वित्तीय वर्ष के प्रारम्भ अवशेष धनराशि	परिवहन आयुक्त द्वारा वर्ष में		अर्जित ब्याज	माह के अन्त तक वितरित की गयी धनराशि	माह के अन्त में अवशेष धनराशि	अभ्युक्ति
				आवंटित धनराशि रुपये में	आवंटन का दिनांक				
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10

परीक्षणोपरान्त माँग के सापेक्ष धनराशि उपलब्ध करायी जायेगी।

## 10. प्रत्येक सम्मागीय, उपसम्मागीय परिवहन कार्यालय व चैकपोस्ट में रखे जाने वाले अभिलेख एवं उनके द्वारा सूचनाओं का प्रेषण—

- (1) प्रत्येक सम्मागीय/उपसम्मागीय परिवहन कार्यालय द्वारा प्रतिदिन निधि में प्राप्त धनराशि को उसके बैंक खाते में जमा किया जायेगा एवं इस हेतु एक पृथक कोषबही रखी जायेगी व उसका नियमित रख-रखाव किया जायेगा।
- (2) निधि के नियम 8 के उपनियम (2) के अन्तर्गत जिन चेकपोस्टों द्वारा भारतीय स्टेट बैंक की सी0बी0एस0 शाखा के माध्यम से सीधे निधि के खाते में धनराशि जमा करायी गयी है, उनके द्वारा भी एक पृथक कोषबही रखी जायेगी और उसका नियमित रख-रखाव किया जायेगा।
- (3) प्रत्येक सम्मागीय, उपसम्मागीय परिवहन कार्यालय तथा परिवहन चेकपोस्ट द्वारा प्रतिमाह निधि में जमा की गयी धनराशि की सूचना परिवहन आयुक्त कार्यालय को निर्धारित प्रारूप पर उसके ठीक अगले माह की 7 तारीख तक प्रस्तुत की जायेगी।
- (4) प्रत्येक सम्मागीय, उपसम्मागीय परिवहन कार्यालय में दुर्घटनाग्रस्त सार्वजनिक सेवायानों के विवरणों के सम्बन्ध में निर्धारित प्रारूप में एक पंजिका रखी जायेगी, जिसका समय-समय पर उच्चाधिकारियों द्वारा निरीक्षण किया जायेगा।

## 11. निधि का ऑडिट—

निधि में धनराशि जमा करने और उसका वितरण करने से सम्बन्धित सभी कार्यालयों का प्रतिवर्ष लेखा परीक्षा और उसे कार्यकारिणी की आगामी बैठक में रखा जायेगा। लेखा परीक्षा की टिप्पणी पर शीघ्रातिशीघ्र कार्यवाही/पुष्टि भी की जायेगी।

## 12. सार्वजनिक सेवायान के दुर्घटनाग्रस्त होने पर दुर्घटनास्थल एवं यान का निरीक्षण—

किसी सार्वजनिक सेवायान के दुर्घटनाग्रस्त होने पर सम्बन्धित जिला का सहायक सम्मागीय परिवहन अधिकारी (प्रशासन/प्रवर्तन) सम्मागीय/सहायक सम्मागीय निरीक्षक (प्राविधिक) तत्काल दुर्घटना स्थल पर जाकर निरीक्षण करेंगे तथा दुर्घटनाग्रस्त यान से सम्बन्धित परमिट, फिटनेस, कर जमा होने की स्थिति, बैठने की क्षमता, चालक के ड्राइविंग लाइसेंस की वैधता की सूचनाएँ सम्बन्धित जिलाधिकारी/उप जिलाधिकारी को तत्काल प्रस्तुत करेंगे।

आज्ञा से,

डी0 सेन्थिल पाण्डेयन,  
परिवहन आयुक्त/अध्यक्ष,  
सड़क परिवहन दुर्घटना  
राहत निधि।

## गृह अनुभाग-1

## विज्ञप्ति/पदोन्नति

10 जुलाई, 2017 ई०

संख्या 344/XX(1)-2017-3(12)2004-उत्तराखण्ड प्रान्तीय पुलिस सेवा संवर्ग के पुलिस उपाधीक्षक, वेतनमान ( ₹ 15,600-39,100, ग्रेड पे ₹ 5,400 ) के पद पर प्रोन्नति कोटे की चयन वर्ष 2016-17 की रिक्तियों के विरुद्ध उत्तराखण्ड लोक सेवा आयोग, हरिद्वार में आयोजित चयन समिति की बैठक दिनांक 28.07.2016 को नियमित चयन हेतु की गयी संस्तुति के आधार पर, श्री राज्यपाल महोदय, निम्नलिखित स्थायी पुलिस निरीक्षक को पुलिस उपाधीक्षक के पद पर प्रोन्नत करते हुए, कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से 02 वर्ष के लिए परिवीक्षाकाल पर रखे जाने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

क्र० सं०	नाम	अभ्युक्ति
1	2	3
1.	श्री परमेश्वर सिंह	श्री हरीश सिंह मेहरा, पुलिस उपाधीक्षक के दिनांक 30.06.2017 की सेवानिवृत्ति से उत्पन्न होने वाली रिक्ति के सापेक्ष।

2. उक्त तालिका में उल्लिखित अधिकारी अपने नाम के सम्मुख स्तम्भ-3 में अंकित अभ्युक्ति में वर्णित अधिकारी के सेवानिवृत्ति के उपरान्त उत्पन्न होने वाली स्पष्ट रिक्ति की तिथि से पदोन्नत किये जा रहे पद पर कार्यभार ग्रहण करते हुए, अनुपालन आख्या शासन को उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित करेंगे।

3. उपरोक्त पदोन्नति मा० उच्च न्यायालय, उत्तराखण्ड, नैनीताल में योजित रिट याचिका संख्या 1738 (एस/एस)/2012 में मा० उच्च न्यायालय द्वारा पारित किए जाने वाले अन्तिम निर्णय के अधीन होगी।

आज्ञा से,

विनोद शर्मा,  
सचिव।



# सरकारी गजट, उत्तराखण्ड

## उत्तराखण्ड सरकार द्वारा प्रकाशित

रुड़की, शनिवार, दिनांक 05 अगस्त, 2017 ई0 (श्रावण 14, 1939 शक सम्वत्)

### भाग 1-क

नियम, कार्य-विधियां, आज्ञाएं, विज्ञप्तियां इत्यादि जिनको उत्तराखण्ड के राज्यपाल महोदय, विभिन्न विभागों के अध्यक्ष तथा राजस्व परिषद् ने जारी किया

HIGH COURT OF UTTARAKHAND, NAINITAL

NOTIFICATION

June 17, 2017

**No. 171/UHC/XIV-a-30/Admin.A/2016**--Ms. Bharti Manglani, Judicial Magistrate-III, Hardwar is hereby sanctioned earned leave for 15 days w.e.f. 26.05.2017 to 09.06.2017 with permission to suffix 10.06.2017 & 11.06.2017 as second Saturday and Sunday holidays respectively.

By Order of Hon'ble the Administrative Judge,  
Sd/-

Registrar (Inspection).

NOTIFICATION

June 19, 2017

**No. 172/UHC/Admin.A/2017**--In exercise of the powers conferred by clause (2) of Article 229 of the Constitution of India and all other powers enabling in that behalf, Hon'ble the Chief Justice has been pleased to make the following amendment in Allahabad High Court Officers and Staff (Conditions of service and conduct) Rules, 1976, applicable to High Court of Uttarakhand, Nainital under U.P. Reorganization Act, 2000 :

**Amendment in Allahabad High Court Officers and Staff (Conditions of Service and Conduct) Rules, 1976, as applicable to High Court of Uttarakhand vide Section 30 of U.P. Reorganization Act, 2000**

Rule No.	Existing Rule	Amendment
Rule 9 (ii) 2	He/She must possess Diploma in Computer Science from recognized Institute/University or O-level certificate from DOEACC Society and a speed of minimum 9000 key-depression per hour in English typing would be essential.	Speed of minimum 9000 key-depression per hour in English typing would be essential. Test of basic knowledge of computer operation shall be conducted, which will include : (1) Windows and Internet, (2) M.S. Word, (3) M.S. Excel, (4) M.S. Power Point.

Rule No.	Existing Rule	Amendment
		<b>Explanation:</b> Test of knowledge of computer operation shall be of qualifying nature, in which minimum 40% marks would be required to be obtained, Both the parts carry 50 marks each.
<b>Appendix-A</b>  <b>Syllabus of Assistant Review Office</b>  <b>Paper III- Qualifying Nature Only (Practical)</b>	<b>Paper III-Qualifying Nature Only (Practical)</b> <b>Time : 1 Hours, MM:100</b> Type-writing with minimum speed of 9000 key-depression per hour in English <b>Note :</b> Diploma in Computer Science from a recognized institution or 'O' level certificate from DOEACC.	<b>Paper III-Qualifying Nature Only (Practical)</b> <b>Time : 1 Hours, MM:100</b> Type-writing with minimum speed of 9000 key-depression per hour in English (50 Marks) Test of basic knowledge of computer operation shall be conducted, which will include : (50 Marks) (1) Windows and Internet, (2) M.S. Word, (3) M.S. Excel, (4) M.S. Power Point. <b>Explanation:</b> Test of knowledge of computer operation shall be of qualifying nature, in which minimum 40% marks would be required to be obtained. <b>Total – 100 Marks (50 Marks each)</b>

This amendment will come into force with immediate effect.

By Order of the Court,  
Sd/-  
Registrar General.

#### NOTIFICATION

June 19, 2017

**No. 173/UHC/XIV-a/32/Admin.A/2015--**Ms. Meenal Chawla, Civil Judge (Jr. Div.), Ranikhet, District Almora is hereby sanctioned medical leave for 07 days w.e.f. 30.01.2017 to 05.02.2017.

#### NOTIFICATION

June 21, 2017

**No. 174/UHC/XIV-a/1/Admin.A/2009--**Sri Rakesh Kumar Singh, Chief Judicial Magistrate, Bageshwar is hereby sanctioned earned leave for 53 days w.e.f. 18.04.2017 to 09.06.2017 with permission to suffix 10.06.2017 and 11.06.2017 as holidays.

By Order of Hon'ble the Administrative Judge,  
Sd/-  
Registrar (Inspection).

#### NOTIFICATION

June 27, 2017

**No. 176/UHC/XIV-a-23/Admin.A/2011--**Ms. Shivani Pasbola, the then Civil Judge (Sr. Div.), Vikasnagar, District Dehradun, presently posted as Additional Chief Judicial Magistrate, Roorkee, District Hardwar is hereby sanctioned earned leave for 27 days w.e.f. 20.02.2017 to 18.03.2017 with permission to prefix 19.02.2017 as Sunday holiday and suffix 19.03.2017 as Sunday holiday.

By Order of Hon'ble the Vacation Judge,  
Sd/-  
Registrar (Inspection).



## NOTIFICATION

July 05, 2017

**No. 177/UHC/XIV/71/Admin.A/2003--**Smt. Neena Aggarwal, Additional District & Sessions Judge, Tehri Garhwal is hereby sanctioned earned leave for 20 days w.e.f. 12.06.2017 to 01.07.2017 with permission to prefix 10.06.2017 & 11.06.2017 as second Saturday and Sunday holidays respectively and suffix 02.07.2017 as Sunday holiday.

## NOTIFICATION

July 05, 2017

**No. 178/UHC/XIV/40/Admin.A--**Smt. Meena Tiwari, District & Sessions Judge, Tehri Garhwal is hereby sanctioned medical leave for 06 days w.e.f. 15.03.2017 to 20.03.2017.

By Order of Hon'ble the Administrative Judge,

Sd/-

Registrar (Inspection).

## न्याय एवं विधि परामर्शी, उत्तराखण्ड शासन

## कार्यभार मुक्त प्रमाण-पत्र

10 जुलाई, 2017 ई०

पत्रांक संख्या 88/XXXVI/न्याय विभाग/2017-प्रमाणित किया जाता है कि मेरे द्वारा संयुक्त सचिव, न्याय एवं संयुक्त विधि परामर्शी, उत्तराखण्ड शासन का कार्यभार, दिनांक 10.07.2017 से दिनांक 28.07.2017 तक (दिनांक 08 व 09 जुलाई, 2017 को प्रीफिक्स एवं दिनांक 29 व 30 जुलाई सफिक्स करते हुए) कुल 19 दिनों का उपार्जित अवकाश उत्तराखण्ड शासन के कार्मिक अनुभाग-4 के आदेश संख्या 244/XXX(4)/2017-04(12)/2016, दिनांक 04 जुलाई, 2017 की स्वीकृति के फलस्वरूप आज दिनांक 07.07.2017 को कार्यालय समय उपरान्त छोड़ा गया।

प्रतिहस्ताक्षरित

ह० (अस्पष्ट),

प्रमुख सचिव, न्याय एवं विधि परामर्शी,

उत्तराखण्ड शासन।

रीतेश कुमार श्रीवास्तव,

संयुक्त सचिव, न्याय एवं संयुक्त विधि परामर्शी,

उत्तराखण्ड शासन।

## कार्यालय सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी, प्रशासन, रुड़की,

## आदेश

26 अप्रैल, 2017 ई०

पत्रांक 68/पंजीयन निरस्त/2017-वाहन संख्या यूके17सी-8898, मोटर साइकिल, मॉडल 2016, चेसिस संख्या MCDKG1B14F1K42021, इंजन नं० UPE-FK-026804, इस कार्यालय अभिलेखानुसार उक्त वाहन श्री अनुज कुमार पुत्र श्री धर्मपाल, निवासी 384, खुब्बनपुर, लतीफपुर, भगवानपुर, रुड़की, हरिद्वार के नाम दर्ज है। वाहन स्वामी द्वारा दिनांक 21.04.2017 को वाहन के पंजीयन निरस्त हेतु आवेदन किया है, क्योंकि उक्त वाहन में आग लग जाने से पूर्णतः क्षतिग्रस्त हो गयी है। उक्त वाहन संविद मुक्त है। प्रवर्तन अनुभाग की आख्या के अनुसार वाहन पर कोई चेक चालान

लम्बित नहीं है। श्री कशीम अहमद, फोरमैन (यू0टी0सी0), रुड़की की आख्यानसार वाहन का मूल चेसिस प्लेट नष्ट कर, जमा कर लिया गया है। उक्त तथ्यों के आधार पर वाहन के पंजीयन चिन्ह के बने रहने का कोई औचित्य नहीं रहता है।

अतः, मैं, शैलेश तिवारी, सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी, रुड़की, केन्द्रीय मोटरयान अधिनियम, 1988 की धारा 55 के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, दिनांक 21.04.2017 को वाहन संख्या यूके17सी-8898 मोटर साइकिल, मॉडल 2016, चेसिस संख्या MCDKG1B14F1K42021 को तत्काल प्रभाव से निरस्त करता हूँ।

शैलेश तिवारी,  
सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी,  
रुड़की।

### कार्यालय सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी, टनकपुर (चम्पावत)

#### आदेश

27 अप्रैल, 2017 ई0

पत्रांक 2839/पंजीयन निरस्त/2017-18-वाहन संख्या UA03-1426(HGV), मॉडल 2003, चेसिस 373141LXZ004804, इंजन नं0 697TC48LXZ114613, इस कार्यालय अभिलेखानुसार श्री अनिल प्रसाद सिन्हा पुत्र श्री मगन प्रसाद सिन्हा, निकट ओम धर्मकाँटा, विष्णुपुरी कॉलोनी, पीलीभीत रोड, टनकपुर, चम्पावत के नाम दर्ज है। दिनांक 30.03.2017 को वाहन स्वामी द्वारा वाहन के पंजीयन निरस्त हेतु (क्योंकि वाहन चलने योग्य नहीं है) आवेदन किया गया है, वाहन फाइनेन्स से मुक्त है। प्रवर्तन अनुभाग की आख्या के अनुसार वाहन पर कोई चेक चालान लम्बित नहीं है। सीनियर फोरमैन (उत्तराखण्ड परिवहन निगम, टनकपुर) की आख्यानसार वाहन का मूल चेसिस प्लेट नष्ट कर जमा कर लिया गया है। उक्त तथ्यों के आधार पर वाहन के पंजीयन/चिन्ह के बने रहने का कोई औचित्य नहीं रहता है।

अतः, मैं, रश्मि भट्ट, सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी, टनकपुर (चम्पावत), केन्द्रीय मोटरयान अधिनियम, 1988 की धारा 55 के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, दिनांक 27.04.2017 को वाहन संख्या UA03-1426(HGV), मॉडल 2003, चेसिस 373141LXZ004804 को तत्काल प्रभाव से निरस्त करती हूँ।

#### आदेश

27 अप्रैल, 2017 ई0

पत्रांक 2840/पंजीयन निरस्त/2017-18-वाहन संख्या RJ31G-1536(HGV), मॉडल 1996, चेसिस 360328ATQ701024, इंजन नं0 697D23ATQ701266, इस कार्यालय अभिलेखानुसार श्रीमती मंजू देवी पत्नी श्री कैलाश सिंह, निवासी नौगवाठगू, खटीमा, ऊधमसिंह नगर के नाम दर्ज है। दिनांक 17.03.2017 को वाहन स्वामी द्वारा वाहन के पंजीयन निरस्त हेतु (क्योंकि वाहन चलने योग्य नहीं है) आवेदन किया गया है, वाहन फाइनेन्स से मुक्त है। प्रवर्तन अनुभाग की आख्या के अनुसार वाहन पर कोई चेक चालान लम्बित नहीं है। सीनियर फोरमैन (उत्तराखण्ड परिवहन निगम, टनकपुर) की आख्यानसार वाहन का मूल चेसिस प्लेट नष्ट कर जमा कर लिया गया है। उक्त तथ्यों के आधार पर वाहन के पंजीयन/चिन्ह के बने रहने का कोई औचित्य नहीं रहता है।

अतः, मैं, रश्मि भट्ट, सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी, टनकपुर (चम्पावत), केन्द्रीय मोटरयान अधिनियम, 1988 की धारा 55 के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, दिनांक 27.04.2017 को वाहन संख्या RJ31G-1536(HGV), मॉडल 1996, चेसिस 360328ATQ701024 को तत्काल प्रभाव से निरस्त करती हूँ।

रश्मि भट्ट,  
सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी,  
टनकपुर (चम्पावत)।

**कार्यालय सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी, प्रशासन, ऊधमसिंह नगर****कार्यालय आदेश****30 जून, 2017 ई०****20 जुलाई, 2017 ई०**

पत्रांक 3919/टी०आर०/पंजी०नि०/HR38F-5538/2017—वाहन संख्या HR38F-5538 (TRUCK), मॉडल 1996, चेसिस संख्या 373012BTQ200840 तथा इंजन नं० 697D22BTQ105940, कार्यालय में श्री वसीरुद्दीन पुत्र श्री नसरुद्दीन, निवासी म० नं० 25 सिसईया, तह० सितारगंज, जिला ऊधमसिंह नगर के नाम पंजीकृत है। वाहन स्वामी ने दिनांक 03.06.2017 को आवेदन पत्र के साथ, वाहन की मूल चेसिस नं० प्लेट प्रस्तुत करते हुए, वाहन का पंजीयन निरस्त करने हेतु अनुरोध किया है। वाहन फाइनेन्स से मुक्त है। कार्यालय अभिलेखानुसार वाहन का कर 31.07.2017 तक जमा है। प्रवर्तन अनुभाग की आख्या के अनुसार वाहन पर कोई चेक चालान लम्बित नहीं है। वाहन का मार्ग परमिट सचिव, सम्भागीय परिवहन प्राधिकरण, हल्द्वानी द्वारा समर्पण/निरस्त करने हेतु रसीद संलग्न है। उक्त तथ्यों के आधार पर वाहन के पंजीयन चिन्ह के बने रहने का कोई औचित्य नहीं रहता है।

अतः, मैं, नन्द किशोर, पंजीयन अधिकारी, मोटर वाहन विभाग, ऊधमसिंह नगर, मोटर वाहन अधिनियम, 1988 की धारा 55(2) के अन्तर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, वाहन संख्या HR38F-5538 (TRUCK) का पंजीयन चिन्ह एवं चेसिस संख्या 373012BTQ200840 तत्काल प्रभाव से निरस्त करता हूँ।

**कार्यालय आदेश****14 जुलाई, 2017 ई०****19 जुलाई, 2017 ई०**

पत्रांक 3972/टी०आर०/पंजी०नि०/UP04A-0513/2017—वाहन संख्या UP04A-0513 (TRUCK), मॉडल 1996, चेसिस संख्या 380010HTQ205931 तथा इंजन नं० 697D22HTQ141660, कार्यालय में श्री अली हुसैन पुत्र श्री इमामी, निवासी म० नं० 81, सहदौरा, किच्छा, जिला ऊधमसिंह नगर के नाम पंजीकृत है। वाहन स्वामी ने दिनांक 10.07.2017 को आवेदन पत्र के साथ, वाहन की मूल चेसिस नं० प्लेट प्रस्तुत करते हुए, वाहन का पंजीयन निरस्त करने हेतु अनुरोध किया है। वाहन फाइनेन्स से मुक्त है। कार्यालय अभिलेखानुसार वाहन का कर 31.07.2017 तक जमा है। प्रवर्तन अनुभाग की आख्या के अनुसार वाहन पर कोई चेक चालान लम्बित नहीं है। वाहन का मार्ग परमिट सचिव, सम्भागीय परिवहन प्राधिकरण, हल्द्वानी द्वारा समर्पण/निरस्त करने हेतु रसीद संलग्न है। उक्त तथ्यों के आधार पर वाहन के पंजीयन चिन्ह के बने रहने का कोई औचित्य नहीं रहता है।

अतः, मैं, नन्द किशोर, पंजीयन अधिकारी, मोटर वाहन विभाग, ऊधमसिंह नगर, मोटर वाहन अधिनियम, 1988 की धारा 55(2) के अन्तर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, वाहन संख्या UP04A-0513 (TRUCK) का पंजीयन चिन्ह एवं चेसिस संख्या 380010HTQ205931 तत्काल प्रभाव से निरस्त करता हूँ।

**कार्यालय आदेश****20 जुलाई, 2017 ई०****21 जुलाई, 2017 ई०**

पत्रांक 4015/टी०आर०/पंजी०नि०/DL1GA-5556/2017—वाहन संख्या DL1GA-5556 (TRUCK), मॉडल 1994, चेसिस संख्या 360324KVQ724036 तथा इंजन नं० 697D23KVQ767917, कार्यालय में श्री मौहम्मद राशिद पुत्र श्री मैनुददीन, निवासी म० नं० 984 बण्डिया, किच्छा, जिला ऊधमसिंह नगर के नाम पंजीकृत है। वाहन स्वामी ने दिनांक 18.07.2017 को आवेदन पत्र के साथ, वाहन की मूल चेसिस नं० प्लेट प्रस्तुत करते हुए, वाहन का पंजीयन निरस्त करने हेतु अनुरोध किया है। वाहन फाइनेन्स से मुक्त है। कार्यालय अभिलेखानुसार वाहन का कर 31.07.2017 तक जमा है। प्रवर्तन अनुभाग की आख्या के अनुसार वाहन पर कोई चेक चालान लम्बित नहीं है। वाहन का मार्ग परमिट सचिव, सम्भागीय परिवहन प्राधिकरण, हल्द्वानी द्वारा समर्पण/निरस्त करने हेतु रसीद संलग्न है। उक्त तथ्यों के आधार पर वाहन के पंजीयन चिन्ह के बने रहने का कोई औचित्य नहीं रहता है।

अतः, मैं, नन्द किशोर, पंजीयन अधिकारी, मोटर वाहन विभाग, ऊधमसिंह नगर, मोटर वाहन अधिनियम, 1988 की धारा 55(2) के अन्तर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, वाहन संख्या DL1GA-5556 (TRUCK) का पंजीयन विन्ह एवं चेसिस संख्या 360324KVQ724036 तत्काल प्रभाव से निरस्त करता हूँ।

नन्द किशोर,  
सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी,  
ऊधमसिंह नगर।

### कार्यालय उप सम्भागीय परिवहन अधिकारी, प्रशासन, ऊधमसिंह नगर

#### आदेश

24 जुलाई, 2017 ई0

पत्रांक 19/लाइसेंस/निरर्ह/प्रतिसंहत/2017—श्री मो0 इस्लाम पुत्र श्री अब्दुल सलाम, निवासी लाईन नं0 06, आजाद नगर, हल्द्वानी, जिला नैनीताल के चालक लाइसेंस संख्या UK0419840061077 के विरुद्ध निरर्ह/प्रतिसंहत हेतु संस्तुति सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी, प्रवर्तन, ऊधमसिंह नगर द्वारा इस कार्यालय को लाइसेंस की मूल प्रति के साथ प्राप्त हुई है। चालक को सुनवाई का अवसर प्रदान करते हुए, इस कार्यालय के पत्रांक संख्या मैमों/लाइसेंस/निरर्ह/प्रतिसंहत/2017, दिनांक 04.07.2017 द्वारा पत्र प्रेषित किया गया है, चालक द्वारा निर्धारित अवधि में अपना पक्ष कार्यालय में प्रस्तुत कर दिया है, जो पत्रावली में सुरक्षित है। सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी, प्रवर्तन, ऊधमसिंह नगर के द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों एवं चालक के सुनवाई संबंधी पत्र के अवलोकन के आधार पर स्पष्ट हैं कि चालक मोटरयान अधिनियम, 1988 की धारा 19 एवं सपठित नियमावली के नियम 21 के अन्तर्गत दोषी है।

अतः, मैं, नन्द किशोर, लाइसेंसिंग ऑथोरिटी, मोटर वाहन विभाग, ऊधमसिंह नगर, उक्त चालक लाइसेंस संख्या UK0419840061077 को मोटरयान अधिनियम की धारा 19 के अन्तर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, दिनांक 24.07.2017 से 03 माह हेतु निरर्ह (Disqualify) करता हूँ।

#### आदेश

24 जुलाई, 2017 ई0

पत्रांक 45/लाइसेंस/निरर्ह/प्रतिसंहत/2017—श्री शिवम शर्मा पुत्र श्री ओम प्रकाश शर्मा, निवासी चक्करपुर, बाजपुर, काशीपुर, जिला ऊधमसिंह नगर के चालक लाइसेंस संख्या UK18 20150092258 के विरुद्ध निरर्ह/प्रतिसंहत हेतु संस्तुति प्रभारी, सी0 पी0 यू0, रुद्रपुर, ऊधमसिंह नगर द्वारा इस कार्यालय को लाइसेंस की मूल प्रति के साथ प्राप्त हुई है। चालक को सुनवाई का अवसर प्रदान करते हुए, इस कार्यालय के पत्रांक संख्या मैमों/ लाइसेंस/ निरर्ह/प्रतिसंहत/2017, दिनांक 05.06.2017 द्वारा पत्र प्रेषित किया गया है, चालक द्वारा निर्धारित अवधि में अपना पक्ष कार्यालय में प्रस्तुत कर दिया है, जो पत्रावली में सुरक्षित है। प्रभारी, सी0 पी0 यू0, रुद्रपुर, ऊधमसिंह नगर के द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों एवं चालक के सुनवाई संबंधी पत्र के अवलोकन के आधार पर स्पष्ट हैं कि चालक मोटरयान अधिनियम, 1988 की धारा 19 एवं सपठित नियमावली के नियम 21 के अन्तर्गत दोषी है।

अतः, मैं, नन्द किशोर, लाइसेंसिंग ऑथोरिटी, मोटर वाहन विभाग, ऊधमसिंह नगर, उक्त चालक लाइसेंस संख्या UK18 20150092258 को मोटरयान अधिनियम की धारा 19 के अन्तर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, दिनांक 24.07.2017 से 03 माह हेतु निरर्ह (Disqualify) करता हूँ।

नन्द किशोर,  
लाइसेंसिंग ऑथोरिटी,  
मोटरयान विभाग,  
ऊधमसिंह नगर।

## कार्यालय संचालक चकबंदी, उत्तराखण्ड, देहरादून

## विज्ञप्ति

21 जून, 2017 ई०

संख्या 1697/रा०प०-3-चक०सं०/2016-उत्तराखण्ड शासन, राजस्व विभाग, देहरादून के शासनादेश संख्या 470/XVIII(II)/2016-03(07)/2016, दिनांक 14.09.2016 से प्राप्त शासन की अनुमति के अनुक्रम में उत्तर प्रदेश जोत चकबंदी अधिनियम, 1953 (उ० प्र० अधिनियम संख्या 5, सन् 1954) (उत्तराखण्ड में प्रवृत्त) की धारा 52 की उपधारा (1) के अधीन शक्तियों का प्रयोग करते हुए, मैं, सुरेन्द्र नारायण पाण्डे, संचालक, चकबंदी, उत्तराखण्ड, देहरादून, एतद्वारा विज्ञापित करता हूँ कि इस विज्ञप्ति के सरकारी गजट में प्रकाशित होने के दिनांक से जनपद हरिद्वार की तहसील, रुड़की एवं भगवानपुर के निम्नलिखित 03 ग्रामों में चकबंदी क्रियाएँ समाप्त हो गयी हैं:-

क्र० सं०	ग्राम का नाम	परगना	तहसील	जनपद
1.	भगवानपुर, चन्दनपुर	मंगलौर	रुड़की	हरिद्वार
2.	मक्खदूमपुर	मंगलौर	रुड़की	हरिद्वार
3.	लतीफपुर, खुब्बनपुर	भगवानपुर	भगवानपुर	हरिद्वार

## विज्ञप्ति

21 जून, 2017 ई०

संख्या 1700/रा०प०-3-चक०सं०/2016-उत्तराखण्ड शासन, राजस्व विभाग, देहरादून के शासनादेश संख्या 53/XVIII(II)/2016-03(07)/2016, दिनांक 24.04.2017 से प्राप्त शासन की अनुमति के अनुक्रम में उत्तर प्रदेश जोत चकबंदी अधिनियम, 1953 (उ० प्र० अधिनियम संख्या 5, सन् 1954) (उत्तराखण्ड में प्रवृत्त) की धारा 52 की उपधारा (1) के अधीन शक्तियों का प्रयोग करते हुए, मैं, सुरेन्द्र नारायण पाण्डे, संचालक, चकबंदी, उत्तराखण्ड, देहरादून, एतद्वारा विज्ञापित करता हूँ कि इस विज्ञप्ति के सरकारी गजट में प्रकाशित होने के दिनांक से जनपद हरिद्वार की तहसील, रुड़की एवं भगवानपुर के निम्नलिखित 06 ग्रामों में चकबंदी क्रियाएँ समाप्त हो गयी हैं:-

क्र० सं०	ग्राम का नाम	परगना	तहसील	जनपद
1.	बेहडेकी, सैदाबाद	भगवानपुर	भगवानपुर	हरिद्वार
2.	झिड़ियान ग्रन्ट	भगवानपुर	भगवानपुर	हरिद्वार
3.	सुसाड़ा	मंगलौर	रुड़की	हरिद्वार
4.	बुक्कनपुर	मंगलौर	रुड़की	हरिद्वार
5.	सिकन्दरपुर मवाल	मंगलौर	रुड़की	हरिद्वार
6.	झबरेड़ी खुर्द	मंगलौर	रुड़की	हरिद्वार

सुरेन्द्र नारायण पाण्डे,  
संचालक, चकबंदी,  
उत्तराखण्ड, देहरादून।

पी०एस०यू० (आर०ई०) 31 हिन्दी गजट/447-भाग 1-क-2017 (कम्प्यूटर/रीजियो)।

मुद्रक एवम् प्रकाशक-अपर निदेशक, राजकीय मुद्रणालय, उत्तराखण्ड, रुड़की।



# सरकारी गजट, उत्तराखण्ड

## उत्तराखण्ड सरकार द्वारा प्रकाशित

रुड़की, शनिवार, दिनांक 05 अगस्त, 2017 ई0 (श्रावण 14, 1939 शक सम्वत्)

### भाग 3

स्वायत्त शासन विभाग का क्रोड़-पत्र, नगर प्रशासन, नोटीफाइड एरिया, टाउन एरिया एवं निर्वाचन (स्थानीय निकाय) तथा पंचायतीराज आदि के निदेश जिन्हें विभिन्न आयुक्तों अथवा जिलाधिकारियों ने जारी किया

कार्यालय आयुक्त गढ़वाल मण्डल, पौड़ी

पंचायती राज विभाग

16 मई, 2017 ई0

संख्या 1180/23-6(3)(2015-2016)-जिला पंचायत, टिहरी द्वारा उ0प्र क्षेत्र पंचायत एवं जिला पंचायत अधिनियम, 1961 की धारा 239(2) के अन्तर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, जिला पंचायत टिहरी अपने अधिकार क्षेत्रान्तर्गत पड़ने वाले हिण्डोलाखाल वाहन शुल्क वसूली चौकी की संशोधित दरों से सम्बन्धित उपविधि बनाई गई है।

अतएव, अधिनियम की धारा 242(2) की अपेक्षानुसार आयुक्त, गढ़वाल मण्डल, पौड़ी उक्त उपविधियों की शासकीय गजट में प्रकाशनार्थ पुष्टि करते हैं। यह उपविधियाँ उत्तराखण्ड के शासकीय गजट में प्रकाशन की तिथि से प्रभावी होगी।

हिण्डोलाखाल माल वाहन शुल्क वसूली चौकी की संशोधित दरों से सम्बन्धित उपविधियाँ

### सूचना

उत्तर प्रदेश क्षेत्र पंचायत एवं जिला पंचायत अधिनियम, 1961 की धारा 239(2) व 145 के तहत प्राप्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, जिला पंचायत, टिहरी गढ़वाल द्वारा पूर्व में शासकीय विज्ञप्ति संख्या, 6 जून, 1998 में प्रकाशित की गई थी, पूर्व में स्वीकृत दरों में संशोधन करती है। यदि किसी व्यक्ति को उक्त उपविधियों पर आपत्ति हो तो सूचना के प्रकाशन की तिथि से 30 दिन के अन्तर्गत जिला पंचायत, टिहरी गढ़वाल के कार्यालय में अपनी लिखित आपत्तियों के कारणों सहित कार्यालय समय में प्रस्तुत कर दें। 30 दिन के पश्चात् प्राप्त होने वाली आपत्तियों पर कोई विचार नहीं किया जायेगा एवं 30 दिन के पश्चात् उपविधियाँ अधिनियम की धारा 242(2) आयुक्त, गढ़वाल मण्डल, पौड़ी की पुष्टि के उपरान्त शासकीय गजट में प्रकाशित की जायेगी।

दरें निम्नवत् हैं:-

क्र0 सं0	पूर्व में दरें, प्रतिदिन	वर्तमान में संशोधित स्वीकृत दरें, प्रतिदिन
1.	ट्रक, डम्पर आदि 90 क्विंटल तक-₹ 30	ट्रक, डम्पर आदि 90 क्विंटल तक-₹ 50
2.	टैम्पो, यूटीलिटी आदि-₹ 25, 30 क्विंटल तक	टैम्पो, यूटीलिटी आदि-₹ 30, 30 क्विंटल तक
3.	ट्राला आदि भारी वाहन	ट्राला आदि भारी वाहन-₹ 100
4.	प्रति बैस-₹ 10	प्रति बैस-₹ 20
	प्रति बकरी-₹ 5	प्रति बकरी-₹ 10
	प्रति बैल-₹ 10	प्रति बैल-₹ 20

## शास्ति (दण्ड)

उत्तर प्रदेश क्षेत्र पंचायत तथा जिला पंचायत अधिनियम, 1961 की धारा 240 में प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, जिला पंचायत, टिहरी गढ़वाल यह आदेश देती है कि उपरोक्त उपविधियों में किसी भी एक उपविधि का उल्लंघन करने पर, ऐसे उल्लंघनकर्ता की न्यायालय द्वारा दोष सिद्ध होने पर ₹ 1,000 (एक हजार रुपये) तक का अर्थदण्ड दिया जा सकता है तथा प्रथम दोष सिद्ध होने के पश्चात् ऐसे प्रत्येक दिन के लिए, जिसमें उल्लंघन जारी हो, ₹ 100 प्रतिदिन की हर जुर्माना किया जा सकता है और जुर्माना अदा न करने पर पाँच माह का साधारण कारावास का दण्ड दिया जा सकता है।

ह0 (अस्पष्ट)  
अपर मुख्य अधिकारी,  
जिला पंचायत,  
टिहरी गढ़वाल।

विनोद शर्मा,  
आयुक्त,  
गढ़वाल मण्डल, पौड़ी।

## कार्यालय जिला पंचायत, चमोली

## विज्ञप्ति

05 दिसम्बर, 2015 ई0

संख्या 1712/नौ-1(उपविधि)/2015-16-उ0 प्र0 क्षेत्र पंचायत तथा जिला पंचायत अधिनियम, 1961 (यथासंशोधित 1994) की धारा 239(2) के अधीन प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, जिला पंचायत, चमोली द्वारा अपने अधिकार क्षेत्रान्तर्गत पड़ने वाले ग्रामीण क्षेत्रों के अन्तर्गत होर्डिंग/यूनीपोल लगाने हेतु निम्नलिखित उपविधियाँ बनायी गयी है। जिस किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति/सुझाव हो तो प्रकाशन की तिथि से 30 दिन के अन्तर्गत अपनी लिखित आपत्ति जिला पंचायत, चमोली को भेज सकते हैं। निर्धारित अवधि के उपरान्त प्राप्त आपत्तियों पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

## उपविधियाँ

1. यह उपविधियाँ, जिला पंचायत, चमोली की होर्डिंग उपविधियाँ, 2015 कहलाई जायेगी।
2. इन उपविधियों के अधीन कोई भी व्यक्ति या संस्था, जिला पंचायत के ग्रामीण क्षेत्रों में तब तक होर्डिंग/यूनीपोल न लगायेगा और न ही लगवायेगा जब तक होर्डिंग/यूनीपोल विज्ञापन का निर्धारित शुल्क जिला पंचायत को अदा नहीं किया जाता। यदि ऐसा पाया गया तो अधिनियम में दी गई व्यवस्थाओं के अनुसार उनके विरुद्ध कार्यवाही की जायेगी।
3. अधिनियम एवं ऐक्ट से तात्पर्य, उ0 प्र0 क्षेत्र पंचायत तथा जिला पंचायत अधिनियम, 1961 (यथासंशोधित 1994) से है।
4. यह उपविधियाँ, जनपद चमोली के ग्रामीण क्षेत्रों में लागू होगी।

## स्वीकृत स्थान/मुख्य मार्ग

क्र0 सं0	मार्ग का नाम, स्थान सहित एवं होर्डिंग संख्या	होर्डिंग की संख्या	निर्धारित दरें (₹) प्रति वर्ग फीट, प्रति वर्ष	मार्ग की लम्बाई कि0मी0 में
1	2	3	4	5
1.	गोपेश्वर से कमेडा ग्राम की सीमा तक-कुहेड-2, मैठाणा-2, पुरसाडी-2, सोनला-2, विराजकुर्ज-2, भकुण्डा-2, लगांसू-2, काल्दूबगड-2, कालेश्वर-2, चटवापीपल-2, कमेडा-2	22	30	55

1	2	3	4	5
2.	कर्णप्रयाग से ग्वालदम तक-सिमिली-4, नौली-2, बगोली-2, नलगौव-2, नारायणबगड-5, मींगगधेरा-2, हरमनी-2, कुलसारी-4, थराली/राडीबगड-6, लोल्टी-2, थाला-2, तलवाडी-2, धडियालधार-2, ताल-2, ग्वालदम-4	43	30	67
3.	थराली से वाण तक-चेपडों-2, नन्दकेशरी-2, देवाल-4, हाट कल्याणी-2, उलंग्रा-2, हरिपुर-2, लवाणी-2, मुन्दोली-2, लोहाजंग-2, कुलिंग-2, वाण-4	26	30	54
4.	देवाल से मेलखेत तक-तलौर-2, बोरगाड-2, सुयालकोट-2, मानमति खेता-2	8	10	21
5.	थराली से रतगौव तक-डाडरबगड-2, सोल डुग्री-2, बूगा बरसोल-2, गेरुड-2, रतगौव-2	10	10	18
6.	लोल्टी से मालबज्वाड तक-तुगेश्वर-2, मालबज्वाड-2	4	10	8
7.	नारायणबगड से चोपता तक-असेड सिमली परखाल-2, जाख-2, चोपता-2	6	10	28
8.	सिमली से पाण्डुवाखाल-कुनीगाड तक-मटोली-2, उज्जवल पुर-2, चौदपुरगढी-2, आदिवट्टी-2, खेती-2, जंगल चट्टी मालसी-2, दीवालीखाल-2, मरारीसैण-2, कालीमाटी-2, मैहलचौरी-4, पाण्डुवाखाल-2, खजुरखाल/सानाचौरी-2, कोठा कूनीगाड-2	28	30	102
9.	मैहलचौरी से नागचूला खाल तक-धारापाणी-2, बीना-2, रोहिडा-2, नागचूला खाल-2	8	10	22
10.	मैहलचौरी से गाजियाबाद नैल तक-मालकोट-2, लाटूगैर-2, टैटूणा-2, माईथान-2, गंगनगर-2, बच्छुवावाण दिवागाड-2, गाजियाबाद नैल-2	14	10	28
11.	कर्णप्रयाग से नगली तक-जाख-2, नैणी नौटी-2, तौली-2, नन्दासैण-3, पुनगौव-2, वैनोली-2, मटियाला-2, बडेथ पिण्डवाली-2, कॉसुवा-2, खेत गधेरा बूगा-2, नगली-2	23	10	54
12.	गौचर से सिदोली तक-बौला-2, देवल सिदोली-2	4	10	15
13.	कर्णप्रयाग से कनकचौरी तक-सेमी-4, खाल सरमोल-2, विनगढ़-2, मोहनखाल-2, कनकचौरी-2	12	20	44
14.	पोखरी से सिमलासू तक-उडामाण्डा-2, इज्जर-1, रौता-2, सिमलासू-2	7	10	22
15.	पोखरी से टगसा तक-भिकोना-2, चौदनीखाल-2, किमोठा/जौरासी-2, सलना-1, हापला-4, हिनोली-2, कलसीर-1, सेम-2, त्रिशूला-2, देवखाल-2, सोनला/बच्छेर-2, टंगसा-2	24	10	57
16.	गोपेश्वर से घोतीधार तक-मण्डल/बैरागना-4, घोतीधार-2	6	20	35
17.	गोपेश्वर से कुजौ मैकोट तक-रोली-2, धिघराण-2, कुजौ मैकोट-2	6	10	12
18.	नन्दप्रयाग से सितेल तक-मंगरोली-2, तेफना-2, थिरपाक-2, काण्डई पुल-2, सेरा-2, घाट-4, चेफना-1, वादुक गुलाडी-2, सितेल-2	19	10	35
19.	घाट से रामणी तक-कुरुड-2, घूनी-2, रामणी-2	6	10	15
20.	काण्डई पुल से पगना तक-सेमा-2, मटई-2, बैरास कुण्ड-2, काण्डई गौव-2, पगना-2	10	10	18
21.	नन्दप्रयाग से बालखिला तक-सैकोट-2, बालखिला-2	4	10	14



1	2	3	4	5
22.	चमोली से माणा तक-भीमतल्ला-2, छिनका-2, विरही-2, मायापुर-2, गडोरा-2, पीपलकोटी-4, पाखी-2, टंगणी-2, पातालगंगा-2, लंगसी-2, हेलंग-2, पैनी-2, सेलंग-2, गोविन्दघाट-2, पाण्डुकेश्वर-2, लामबगड-2, हनुमानचट्टी-2, माणा-2	38	30	107
23.	बिरही से गौणा बगड तक-गाडी-2, सैंजी-2, निजमूला-2, गौणा बगड-2	8	10	18
24.	जोशीबठ से वाम्पा गमशाली तक-बडागाँव ढाक-2, तपोवन-2, रैणी-2, लाता-2, सुराईथोटा-2, मलारी-2, वाम्पा/गमशाली-2	14	10	70
25.	हेलंग से उर्गम तक-सलना-2, देवग्राम उर्गम-2	4	10	14
26.	कर्णप्रयाग से नैनीसैण तक-कनखुल-2, कण्डारी-2, नैनीसैण-2	6	10	25

विभिन्न विज्ञापनों पर लगने वाली निर्धारित दरें:-

क्र० सं०	जिन पर विज्ञापन लगाया जाना है, उनका नाम	निर्धारित दरें प्रति वर्ग फीट (प्रति वर्ष)
1.	दुकान/भवनो पर लगे साइन बोर्ड पर शुल्क	₹ 30.00
2.	पुल के कॉलम पर 10×20 फीट पर शुल्क	₹ 30.00
3.	निजी बस/पब्लिक बस एडवर्डटाईजिंग 4×15 फीट (दोनों साईड) बैक साईड 3×3 पर शुल्क	₹ 30.00
4.	डेलिवरी वाहन/सर्विस वाहन/टैक्सी पर शुल्क	₹ 500.00
5.	लाउड स्पीकर पर प्रचार शुल्क	₹ 100.00 प्रतिदिन

होर्डिंग लगाने की शर्तें:

- होर्डिंग/यूनीपोल स्थल के अनुसार समान्तर लगाये जायेंगे, जिससे यातायात सुगमता से संचालित हो सके।
- होर्डिंग/यूनीपोल का अधिकतम साईज 20×10 फीट होगा।
- होर्डिंग/यूनीपोल की संरचना मजबूत फैन के आकार की होगी ताकि आँधी-तूफान में न गिरे और जान माल का नुकसान न हो।
- जिला पंचायत सीमा में विज्ञापन लगाये जाने हेतु विज्ञापन एजेन्सियों द्वारा प्रत्येक वर्ष विज्ञापन पट्ट लगाने से पूर्व जिला पंचायत कार्यालय में पंजीकरण करवाया जायेगा। इस प्रकार केवल पंजीकृत एजेन्सियों को ही विज्ञापन लगाये जाने की अनुमति दी जायेगी।
- जिला पंचायत से वही एजेन्सी पंजीकृत की जायेगी। जिसकी प्रोप्राइटर उत्तराखण्ड का स्थाई निवासी होगा। आवेदन-पत्र के साथ स्थाई निवास पत्र की छाया प्रति संलग्न करनी होगी।
- जिला पंचायत, चमोली में विज्ञापन एजेन्सियों को पंजीकृत किये जाने हेतु प्रथमवार पंजीकरण राशि ₹ 1,000.00 प्रति राष्ट्रीय बचत पत्र के रूप में जिला पंचायत में जमा करनी होगी।
- किसी भी विज्ञापन एजेन्सी द्वारा यदि स्वीकृत विज्ञापन पट्ट के इतर कोई विज्ञापन प्रदर्शित किया हुआ पाया गया तो बिना किसी नोटिस के विज्ञापन एजेन्सी का पंजीकरण निरस्त कर दिया जायेगा।
- विज्ञापन की स्वीकृति अधिकतम एक वर्ष के लिए दी जायेगी।
- जनहित एवं यातायात को दृष्टि से एवं सरकार के निर्देशानुसार यदि किसी स्वीकृत विज्ञापन पट्ट को हटाने की आवश्यकता होती है तो बिना किसी नोटिस के विज्ञापन पट्ट हटा दिया जायेगा। जिस पर कोई प्रतिकर देय नहीं होगा।
- जिला पंचायत द्वारा समय-समय पर प्रतिबन्धित उत्पादों, जैसे शराब, तम्बाकू, धूम्रपान एवं अश्लील, जाति सूचक, धार्मिक भावनाओं को उत्तेजित करने वाले, पशु क्रूरता, हिंसात्मक हथियारों से सम्बन्धित विज्ञापनों का प्रदर्शन पूर्णतः प्रतिबन्धित रहेगा।

11. विज्ञापन पट्ट/यूनीपोल का आवंटन निर्धारित न्यूनतम धनराशि पर पंजीकृत विज्ञापन एजेन्सियों से प्रति विज्ञापन पट्ट, शीलबन्द निविदाये आमंत्रित कर सर्वोच्च बोलीदाता को किया जायेगा।
12. निविदाये अपर मुख्य अधिकारी अथवा उनके द्वारा गठित समिति के द्वारा माँगी जायेगी। उनका निर्णय अन्तिम एवं मान्य होगा।
13. निजी भवनों एवं भूमि पर किसी भी प्रकार के विज्ञापन अवैध रूप से लगने पर विज्ञापन एजेन्सी/भवन स्वामी से जिला पंचायत जुर्माना वसूल कर सकती है एवं अवैध विज्ञापन पट्ट को तत्काल हटाते हुए विज्ञापन एजेन्सी का पंजीकरण निरस्त कर सकती है।
14. विज्ञापन की स्वीकृति अधिकतम एक वर्ष अप्रैल से मार्च तक के लिए होगी।
15. चौराहों व मोड़ों पर 25-25 मीटर की दूरी तक होर्डिंग/यूनीपोल नहीं लगाये जायेंगे।
16. उपरोक्त शर्तों में से किसी भी शर्त पर उल्लंघन पाये जाने पर बिना किसी नोटिस के एजेन्सी का पंजीकरण निरस्त करते हुए ब्लैक लिस्टड करने का अधिकार अपर मुख्य अधिकारी में निहित होगा।
17. जनहित में जिला पंचायत में पंजीकृत विज्ञापन को जो भी विज्ञापन पट्ट स्वीकृत किए जायेंगे, उन पर सुन्दर चमोली हरित चमोली का स्लोगन प्रदर्शित किये जायेंगे।
18. जिला पंचायत, चमोली को अधिकार होगा कि वह जब भी आवश्यक समझे होर्डिंग्स की संख्या एवं दरों में संशोधन कर सकती है।

#### दण्ड

उ0प्र0 क्षेत्र पंचायत तथा जिला पंचायत अधिनियम, 1961 की धारा 240 के अन्तर्गत प्रदत्त अधिकारों के द्वारा यह हिदायत दी जाती है कि उन उपविधियों के पूर्णरूप से अथवा किसी अंश का उल्लंघन करने वाले व्यक्ति से अर्थ दण्ड वसूल किया जायेगा। जो ₹ 1000.00 तक का हो सकता है और तब तक यह उल्लंघन चला रहे तो प्रथम सजा के बाद ₹ 50.00 प्रतिदिन तब तक कि अपराध चले, अर्थ दण्ड लिया जायेगा तथा यदि यह समाधान हो जाये कि अपराधी उपविधियों का उल्लंघन करने का आदी है तो उसे तीन मास तक की कैद की सजा भी दी जा सकती है।

तेज सिंह,

अपर मुख्य अधिकारी,  
जिला पंचायत, चमोली।